

लैंगिक वेतन अंतराल की समस्या से नपिटना

यह एडिटरियल 19/03/2023 को 'इकोनॉमिक टाइम्स' में प्रकाशित "It pays to fix gender wage disparity" लेख पर आधारित है। इसमें भारत में लैंगिक समानता के मुद्दे और उसे संबोधित करने के उपायों के बारे में चर्चा की गई है।

संदर्भ

भारत में **लैंगिक वेतन अंतराल** (Gender Pay Gap) देश में पुरुषों और महिलाओं के बीच औसत वेतन या आय अर्जन के बीच के अंतर को दर्शाता है। संवैधानिक प्रावधानों और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के विभिन्न प्रयासों के बावजूद, भारत में लैंगिक वेतन अंतराल एक महत्वपूर्ण मुद्दा बना हुआ है।

- **केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय** द्वारा जारी 'भारत में महिला एवं पुरुष 2022' (Women and Men in India 2022) रिपोर्ट के अनुसार, पछिले एक दशक में पुरुषों और महिलाओं के बीच वेतन असमानता बढ़ी है, जहाँ उच्च वेतन स्तरों पर अंतराल और अधिक बढ़ गया है।
- **वर्ल्ड असमानता रिपोर्ट 2022** (World Inequality Report 2022) में प्रस्तुत वैश्विक आय में लैंगिक असमानता के पहले अनुमान के अनुसार, भारत में पुरुष श्रम आय में 82% हिससेदारी रखते हैं, जबकि महिलाएँ महज 18% हिससेदारी रखती हैं।
- लैंगिक वेतन अंतराल को दूर करने के लिये, इस विषय के बारे में अधिक जागरूकता और पैरोकारी की आवश्यकता है, साथ ही ऐसे नीतित्वा उपाय करने होंगे जो लैंगिक समानता और महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण को बढ़ावा दें।

लैंगिक वेतन अंतराल के प्रमुख कारण

- **व्यावसायिक अलगाव:**
 - महिलाएँ कम-वेतन वाले व्यवसायों में केंद्रित होती हैं, जैसे कि देखभाल संबंधी और प्रशासनिक कार्य, जबकि पुरुषों को प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और वित्त जैसे उच्च-भुगतान वाले उद्योगों में अधिक प्रतिनिधित्व प्राप्त है।
- **भेदभाव:**
 - महिलाओं को न्युक्ति, पदोन्नति और भुगतान में पूर्वाग्रह का सामना करना पड़ सकता है, भले ही उनकी योग्यता और अनुभव उनके पुरुष सहयोगियों के बराबर हो।
- **कार्यबल भागीदारी:**
 - बच्चों या वृद्ध रिश्तेदारों की देखभाल के लिये महिलाओं द्वारा कार्य से अवकाश लेने या पार्ट-टाइम कार्य करने की संभावना अधिक होती है, जिससे उनके करियर के रास्ते में रुकावट आ सकती है और कुल कमाई कम हो सकती है।
- **सौदेबाजी:**
 - महिलाओं के लिये उच्च वेतन या लाभ के लिये सौदेबाजी (negotiation) की संभावना कम होती है क्योंकि उनके लिये अवसर कम होते हैं और इसके परिणामस्वरूप उन्हें कम मुआवजा पैकेज प्राप्त हो सकता है।
- **शिक्षा और प्रशिक्षण तक सीमिति पहुँच:**
 - महिलाओं की शैक्षिक और प्रशिक्षण के अवसरों तक कम पहुँच हो सकती है जो इन पतृसत्तात्मक मान्यताओं से प्रेरित है कि बालिकाओं एवं महिलाओं को घरेलू कार्य में संलग्न होना चाहिये।
 - यह उच्च भुगतान वाली नौकरियों के लिये आवश्यक कौशल और साख (credentials) हासिल करने की उनकी क्षमता को सीमिति कर सकता है।
- **अनयिमिति घंटों में कार्य असमर्थता:**
 - कई नौकरियों में कर्मचारियों को अनयिमिति घंटों में कार्य करने की आवश्यकता होती है, जैसे कि ओवरटाइम या नाइट शिफ्ट और सुरक्षा कारणों से महिलाएँ अनयिमिति घंटों में कार्य असमर्थता रखती हैं।
 - इसके परिणामस्वरूप महिलाओं की पदोन्नति के मामले में उपेक्षा की जा सकती है या उन पुरुषों की तुलना में कम भुगतान किया जा सकता है जो अधिक लचीले शेड्यूल पर कार्य करने में सक्षम होते हैं।
- **कार्य स्थल तक पहुँचने के लिये गतिशीलता की कमी:**
 - महिलाओं द्वारा परिवहन चुनौतियों का सामना करने की भी अधिक संभावना होती है, जैसे विश्वसनीय परिवहन तक पहुँच की कमी, जो फरि कार्य स्थल तक पहुँचने की उनकी क्षमता को सीमिति कर सकती है। इसके परिणामस्वरूप महिलाएँ कुछ नौकरियों या उद्योगों से बाहर रखी

- (A) वशिव आर्थकि मंच
(B) संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परषिद
(C) संयुक्त राष्ट्र महिला
(D) वशिव स्वास्थय संगठन

उत्तर: (A)

व्याख्या:

- ग्लोबल जेंडर गैप रपिर्ट वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम द्वारा प्रकाशति की जाती है। अतः विकल्प A सही है।
- रपिर्ट का जेंडर गैप इंडेक्स, जसि लैंगकि समानता को मापने के लयि डिज़ाइन कयिा गया है, देश में लैंगकि समानता की स्थति का पता लगाने के लयि चार प्रमुख क्षेत्रों: स्वास्थय, शकिषा, अर्थव्यवस्था और राजनीति में महिलाओं और पुरुषों के बीच गणना कयिा गए लैंगकि अंतर के अनुसार देशों को रैंक करता है।
- ग्लोबल जेंडर गैप रपिर्ट, 2021 156 देशों को चार वषियगत आयामों में लैंगकि समानता की दशिा में उनकी प्रगतपर बेंचमार्क करती है: आर्थकि भागीदारी और अवसर; शैक्षकि प्राप्ति, स्वास्थय और उत्तरजीवति, और राजनीतिक अधिकारति। इसके अलावा, इस वर्ष के संस्करण में आर्टफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से संबंधति कौशल लकि अंतराल का अध्ययन कयिा गया।
- WEF जेंडर गैप इंडेक्स-2021 में भारत 140वें स्थान पर है।

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/tackling-the-issue-of-gender-pay-gap>

